पाठ 3: जयशंकर प्रसाद (आत्मकथ्य)

प्रश्न 1: कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहते हैं?

RBSE 2020

RBSE 2024

कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से निम्नलिखित कारणों से बचना चाहते हैं:

1. **साधारण जीवन:** कवि को लगता है कि उनका जीवन बहुत ही साधारण है (रीति गागर)। उसमें ऐसी कोई महान उपलब्धि या गौरवगाथा नहीं है जिसे सुनाकर वे वाहवाही लूट सकें।

2. **जग-हँसाई का डर:** आत्मकथा लिखने का अर्थ है अपनी कमज़ोरियों, भूलों और पीड़ाओं को दुनिया के सामने रखना। कवि अपनी भूलों को उजागर करके लोगों से अपना मज़ाक (उपहास) नहीं करवाना चाहते।

3. **निजी स्मृतियाँ:** कवि के जीवन की कुछ मधुर यादें (प्रेयसी के साथ) अत्यंत निजी हैं, जिन्हें वे सार्वजनिक नहीं करना चाहते।

प्रश्न 2: 'स्मृति को पाथेय बनाने' से कवि का क्या आशय है?

RBSE 2022

'पाथेय' का अर्थ होता है रास्ते का भोजन या यात्रा का सहारा। कवि जयशंकर प्रसाद का जीवन दुःखों से भरा रहा है। ऐसे में अपनी प्रेयसी के साथ बिताई गई **कुछ मधुर और सुखद स्मृतियाँ (यादें) ही उनके जीवन की आगे की यात्रा (सफर) का एकमात्र सहारा (पाथेय) हैं।** उन्हीं मीठी यादों के सहारे कवि अपना थका हुआ जीवन जी रहे हैं।

प्रश्न 3: 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' - इस कथन का क्या आशय है?

RBSE 2025

Most Important

इस कथन के माध्यम से कवि यह कहना चाहते हैं कि उन्होंने अपनी प्रेयसी के साथ मधुर चाँदनी रातों में जो हसीन, प्रेम भरे और उजले पल बिताए थे, वे **उनकी अत्यंत निजी (Personal) संपत्ति हैं।** वे सुखद यादें ही उनके थके हुए जीवन का एकमात्र सहारा हैं। कवि अपनी उन निजी और पवित्र भावनाओं को आत्मकथा लिखकर पूरी दुनिया (आम लोगों) के सामने तमाशा नहीं बनाना चाहते।

Scholarbit